

28/09/2024

आज श्रीमान् ए.सी.एम. / एस.डी.एम
साहब कोर्ट पर हैं।
पेशी इल्लबा की जाकर पत्रावली
नारीख को पेश हो।

03/09/2024

आज श्रीमान् ए.सी.एम. / एस.डी.एम
साहब कोर्ट पर हैं।
पेशी इल्लबा की जाकर पत्रावली
नारीख को पेश हो।

01/07/2024 पत्रावली पेट हुई। वकील जर्गी उपा. वकील जर्गी की
बहस सुनी गई। पत्रावली करते आदेश दिनांक 18/09/24
पेश की

(Handwritten signature/initials)

18/09/2024

आज श्रीमान् ए.सी.एम. / एस.डी.एम
साहब कोर्ट पर हैं।
पेशी इल्लबा की जाकर पत्रावली
नारीख को पेश हो।

21/10/24 पत्रावली आज पेश हुई। वकील जर्गीगण व पैरोकार सरकार
उपस्थित। वकील जर्गीगण बहस सुनी गयी। वकील जर्गीगण
बहस एवं पत्रावली में उपलब्ध इस्तावेजात के आधार
पर अस्थायी निषेधाज्ञा के तीनों बिन्दु उषम हुइया
मामता, सुविधा का संतुलन एवं अपूरणीय ज्ञाते जर्गीगण
के पक्ष में सिद्ध होते हैं। अतः जर्गीगण के बहस एवं
पत्रावली में उपलब्ध इस्तावेजात के आधार पर जर्गीगण
का जर्षवा-पड अंतर्गत धारा 212 राज् नारत अधिनियम
1955 का स्वीकार योग्य होने के कारण स्वीकार किया जाता
है तथा पूर्व में दिनांक 04.03.2023 को जारी अस्थायी
निषेधाज्ञा को मूल वाड के निस्ताण तक कन्फर्म किया
जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर उर्ज नम्बर
से कम होकर वाड तकमील शामिल एक्टर हो।

निर्णय आज दिनांक 21.10.2024 को मैरे ठर।

लिखा जाकर सरे- इजलस सुनाया गया।

21.10.24

लेक्टर
बाप (नारीखी)

